बीए अर्थशास्त्र

Semester 01 (Paper 01)

व्यष्टिगत और समष्टिगत विश्लेषण

(Micro and Macro Analysis)

अर्थशास्त्र का अध्ययन-

- विशिष्ट अथवा सूक्ष्म विश्लेषण (Micro Analysis)
- व्यापक विश्लेषण (Macro Analysis)

व्यष्टिगत एवं सूक्ष्म अर्थशास्त्र (Micro Economics)

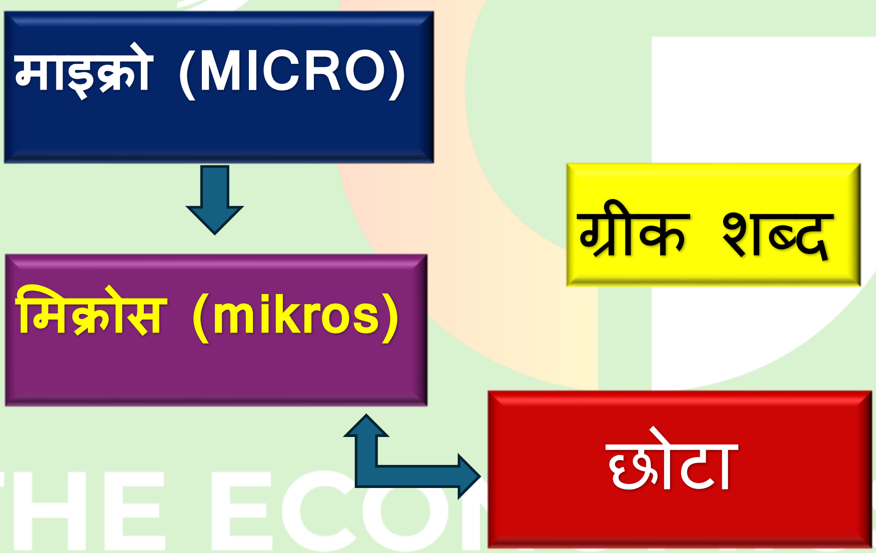

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

व्यष्टिगत अर्थशास्त्र में किसी अर्थव्यवस्था की भिन्न भिन्न छोटी छोटी इकाइयों की आर्थिक क्रियाओं का विश्लेषण किया जाता है।

दूसरे शब्दों में, व्यष्टिगत अर्थशास्त्र के अंतर्गत विशेष व्यक्तियों, परिवार, फर्म, उद्योगों, विशेष श्रमिक आदि का विश्लेषण किया जाता है। जैसे: एक उपभोक्ता के द्वारा अपनी का संतुलन व्यय करना ।

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@theeconomicsguru*

परिभाषाएं

प्रो. बोल्डिंग ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक '**आर्थिक विश्लेषण**' में लिखा है कि, "व्यष्टिगत अर्थशास्त्र के अंतर्गत विशेष प्रमुख विशेष परिवारों, व्यक्तिगत कीमतों मजदूरी आयों, आदि वस्तुओं का अध्ययन किया जाता है"।

इस प्रकार व्यष्टिगत अर्थशास्त्र का संबंध किसी एक इकाई से होता सभी इकाइयों से नहीं।

अर्थात् ,

हम कह सकते हैं कि व्यष्टिगत अर्थशास्त्र आर्थिक विश्लेषण की वह शाखा है जो विशिष्ट आर्थिक इकाइयों तथा अर्थव्यवस्था के छोटे भागों, उनके व्यवहार तथा उनके पारस्परिक संबंधों का अध्ययन करती है।

इसे ***कीमत सिद्धांत (Price Theory)*** भी कहते है।

व्यष्टिगत अर्थशास्त्र की विशेषताएं

- व्यक्तिगत इकाइयों का अध्ययन
- संपूर्ण अर्थव्यवस्था पर प्रभाव का अभाव।
- संपूर्ण अर्थव्यवस्था को स्थिर मान लेना।
- कीमत सिद्धांत *इसके अंतर्गत मांग एवं पूर्ति द्वारा विभिन्न वस्तुओं की व्यक्तिगत मूल्य निर्धारित किए जाते हैं।*

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

व्यष्टिगत अर्थशास्त्र के प्रकार

व्यष्टिगत अर्थशास्त्र को निम्नलिखित तीन भागों में विभाजित किया जाता है-

व्यष्टिगत स्थैतिक: इसके अंतर्गत यह मानते हुए कि एक ही समय में संतुलन की स्थिति रहती है। एक दिए हुए समय पर व्यष्टिगत चरों के संबंधों का साम्य की स्थिति में अध्ययन करता है। यह मानसिक संतुलन विश्लेषण से संबंधित होता है।

तुलनात्मक व्यष्टिगत स्थैतिक: तुलनात्मक व्यष्टिगत स्थैतिक व्यष्टिगत चरों के संबंधों की साम्य स्थितियों की तुलना करती है। विश्लेषण की यह विधि संतुलन की दो स्थितियों का तुलनात्मक अध्ययन करती है, परंतु इस तथ्य पर प्रकाश नहीं डालती कि व्यक्तिगत संतुलन की एक स्थित इसे दूसरी स्थिति तक इस प्रकार पहुँच गया है।

व्यष्टिगत_प्रवैगिक व्यष्टिगत प्रवैगिक विश्लेषण उस समायोजन की प्रक्रिया का अध्ययन करती है जिससे दौरान विशिष्ट चरों के संबंधों की एक संतुलन स्थिति से दूसरी संतुलन की स्थिति तक पहुंचा जाता है।

व्यष्टिगत अर्थशास्त्र के क्षेत्र

ऐकले के शब्दों में, "कीमत और मूल्य सिद्धांत परिवार, फर्म और उद्योग का सिद्धांत अधिकतम उत्पादन और कल्याण सिद्धांत है"।

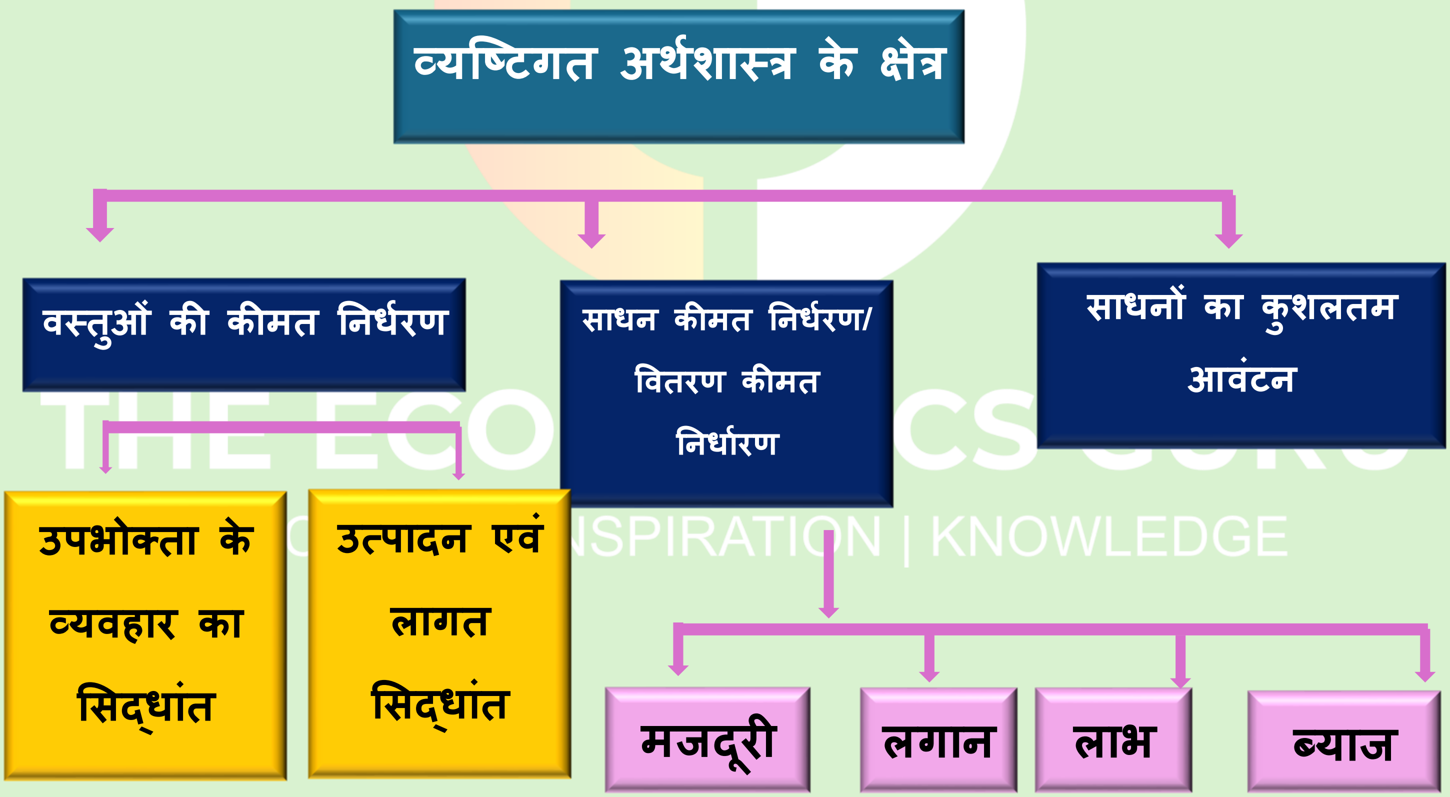

वस्तुओं की कीमत निर्धारण (Product Pricing)

- **उपभोक्ताओं को संतुलन निर्धारण की समस्या:-** उपभोक्ता संतुलन की स्थिति में वहां होगा जहाँ वो अपने सीमित साधनों का विभिन्न आवश्यकताओं के बीच इस प्रकार बांटें जिससे उसे मिलने वाली संतुष्टि अधिकतम हो।
- **वस्तुओं की कीमत निर्धारण:-** इसके अंतर्गत यह अध्ययन करते हैं कि विभिन्न वस्तुओं जैसे चावल, चाय, दूध, घी, पंखे, स्कूटर आदि वस्तुओं की कीमतें किस प्रकार निर्धारित होती है?

साधन की कीमत निर्धारण या वितरण का सिद्धांत

इसके अंतर्गत यह अध्ययन किया जाता है कि लगान (भूमि की उपयोगिता की कीमत), ब्याज (पूंजी की उपयोगिता की कीमत), लाभ (साहसी का पारितोषण) का निर्धारण किस प्रकार होता है?
इसलिए इसे कीमत सिद्धांत भी कहा जाता है।

साधनों के आवंटन की कुशलता

व्यष्टिगत अर्थशास्त्र यह भी अध्ययन करता है कि अर्थव्यवस्था में कितनी कुशलता के साथ विभिन्न साधनों का व्यक्तिगत उपभोक्ताओं और उत्पादकों के मध्य विभाजन होता है।
साधनों के आवंटन में कुशलता को तब प्राप्त किया जाता है जबकि विभिन्न साधनों का आवंटन इस प्रकार से किया जाये कि व्यक्ति को अधिकतम संतुष्टि प्राप्त हो। **इस आर्थिक कुशलता में तीन कुशलताएं सम्मिलित होती है- उपभोक्ता कुशलता, उत्पादन की कुशलता और उपभोग तथा उत्पादन में परिपूर्ण की कुशलता।**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

व्यष्टिगत अर्थशास्त्र का महत्व और प्रयोग

अर्थशास्त्र में व्यष्टिगत अर्थशास्त्र का सैद्धांतिक और व्यवहारिक दोनों ही महत्त्व है। जो कि इस प्रकार है-

- अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली को समझना।
- आर्थिक नीतियों का सुझाव देना।
- आर्थिक कल्याण की दशा का ज्ञान प्राप्त करना।
- प्रबंध संबंधी निर्णयों के लिए व्यष्टिगत अर्थशास्त्र का प्रयोग करें।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में सहयोग।
- राजस्व में उपयोग।
- व्यक्तिगत इकाइयों के आर्थिक निर्णय में सहायक।

व्यष्टिगत अर्थशास्त्र के दोष एवं सीमाएं

- अर्थव्यवस्था का अधूरा चित्र प्रस्तुत करता है।
- व्यष्टिगत अर्थशास्त्र अवास्तविक मान्यताओं पर आधारित है, जैसे पूर्ण रोजगार, पूर्ण प्रतियोगिता, आदि।
- कुछ विशेष प्रकार की समस्याओं के लिए यह अनुपयुक्त है।
- व्यष्टिगत अर्थशास्त्र के निष्कर्ष संपूर्ण अर्थव्यवस्था की दृष्टि से ठीक नहीं होते।

समष्टि अर्थशास्त्र/ व्यापक अर्थशास्त्र (Macro Economics)

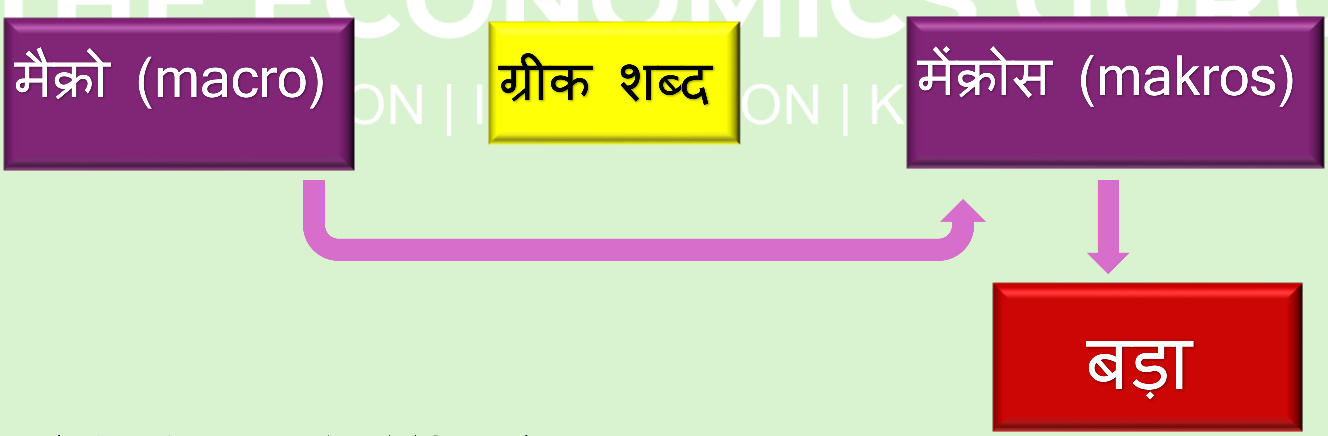

मैक्रो बड़े समूह से संबंधित है।

अत: समष्टि अर्थशास्त्र में संपूर्ण अर्थव्यवस्था से संबंधित समूहों जैसे राष्ट्रीय आय बचत, राष्ट्रीय आय, कुल रोजगार के उत्पादन व सामान्य कीमत स्थल आदि का अध्ययन किया जाता है।

समष्टि अर्थशास्त्र की परिभाषाएं

प्रो.बोल्डिंग के अनुसार, "समष्टि अर्थशास्त्र का संबंध व्यक्तिगत मात्रा में नहीं होता, किंतु इन मात्राओ के समूहों में होता है। इसका संबंध व्यक्तिगत आय से नहीं है, किंतु राष्ट्रीय आय से होता है, व्यक्तिगत मूल्यों से नहीं, परंतु मूल्य स्तर से होता है, व्यक्तिगत उत्पादन से नहीं बल्कि राष्ट्रीय उत्पादन से होता है।

सरल शब्दों में, समष्टि अर्थशास्त्र संपूर्ण अर्थव्यवस्था का अथवा उससे संबंधित बड़े योगों या समूहों का अध्ययन करता है।

समष्टि अर्थशास्त्र की विशेषताएँ

- समष्टिगत इकाइयों जैसे राष्ट्रीय आय कुल उत्पादन, कुल रोजगार, सामान्य कीमत स्तर आदि का अध्ययन करता है।
- इसके अंतर्गत संपूर्ण अर्थव्यवस्था से संबंधित समस्याओं का अध्ययन किया जाता है।
- समष्टिगत समस्याएँ परस्पर संबंधित होती है।

THE ECONOMICS GURU

समष्टि अर्थशास्त्र की विषय सामग्री

- आय उत्पादन तथा रोजगार के सिद्धांत।
- सामान्य कीमत स्थिर का सिद्धांत।
- आर्थिक विकास का सिद्धांत।
- वितरण का समष्टिगत सिद्धांत।

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

समष्टि अर्थशास्त्र के विश्लेषण के प्रकार

व्यापक अथवा समष्टि स्थैतिक (Macro Static)

इसके अंतर्गत संपूर्ण आर्थिक व्यवस्था का अध्ययन साम्य अथवा स्थायी स्थिति में किया जाता है। परंतु इसमें यह बताने का प्रयत्न नहीं किया जाता कि आर्थिक दशा उस बिंदु विशेष अथवा सामान्य तक किस प्रकार पहुंची है।

तुलनात्मक समष्टि स्थैतिक

आर्थिक व्यवस्था में सदैव परिवर्तन होते रहते हैं। परिणामत: यह कभी स्थिर नहीं रहती। अर्थव्यवस्था में इन परिवर्तनों के कारण नए संतुलन बिंदु स्थापित होते हैं। कभी एक सतह पर तो कभी दूसरी सतह पर संतुलन स्थापित होता रहता है। तुलनात्मक समष्टि स्थैतिक विभिन्न संतुलन बिंदुओं का तुलनात्मक अध्ययन करता है।

इस अध्ययन प्रणाली में, हम संतुलन की दो अलग अलग स्थितियों में एक दूसरे से तुलना करते है।

समष्टि प्रवैगिक (Macro Dynamic)

इसका विकास अर्थशास्त्र में एक महत्वपूर्ण स्थान है। टिनवर्जन, हिक्स, बोल्डिंग, सैमुअलसन, रॉबर्टसन तथा हैरोड़ आदि प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों का **समष्टि प्रवैगिक** विश्लेषण के विकास में भारी योगदान रहा है। इसके अंतर्गत अर्थव्यवस्था के विभिन्न घटकों जैसे उपभोग, विनियोग आदि से होने वाले परिवर्तनों का विश्लेषण किया जाता है और उनके समायोजनों की भी व्याख्या की जाती है। सं क्षेप में, **समष्टि प्रवैगिक** की प्रमुख बांटें इस प्रकार है।

- यह विश्लेषण संपूर्ण अर्थव्यवस्था के परिवर्तनों के चलचित्र का दृश्य प्रस्तुत करता है।
- इसके अंतर्गत आर्थिक घटकों के इस परिवर्तन के असमान गुणों का अध्ययन किया जाता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

- इसके अंतर्गत समायोजन की उस प्रक्रिया का भी अध्ययन किया जाता है जिससे द्वारा अर्थव्यवस्था नवीन संतुलन की अर्थव्यवस्था को प्राप्त होती है।
- इसके अंतर्गत आर्थिक घटकों में निरंतर होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन के कारण को परिणाम से पृथक किया जाता है।

समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएं

1. सामान्यीकरण का दोष या आर्थिक विरोधाभास
    - व्यक्ति और समाज की बचते
    - मजदूरी दर व रोजगार
    - एक व्यक्ति अपनी मुद्रा के परिणाम का संचय द्वारा वृद्धि कर सकता है
    - एक देश का निर्यात।
2. समूह की आंतरिक रचना महत्वपूर्ण
3. समूह की माप संबंधी कठिनाइयों
4. अर्थशास्त्री की समस्याएं व्यावहारिक नहीं होती

LIKE AND ***SHARE*** THE CLASS LINK

SUBSCRIBE THE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

THE ECONOMICS GURU

WhatsApp/ 7830010683

FOLLOW ME ON *INSTAGRAM* / @theeconomicsguru

FOLLOW ME ON *FACEBOOK* / Nakul Dhali

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर I अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यादा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@theeconomicsguru*